संवहनीय पैकेजिंग पर औद्योगिक परिचर्चा में यूफ्लेक्स लिमिटेड के सीएमडी श्री अशोक चतुर्वेदी ने बहु-स्तरीय मिश्रित प्लास्टिक (एमएलपी) की पुनर्चक्रण क्षमता पर रिपोर्ट पेश की

नोएडा, 27 दिसम्बर, 2022 : यूफ्लेक्स लिमिटेड के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक, श्री अशोक चतुर्वेदी ने हाल में **प्लास्टिक पैकेजिंग रिसर्च ऐंड डेवलपमेंट सेंटर (पीपीआरडीसी)** द्वारा आयोजित एक परिचर्चा में मल्टी-लेयर मिक्स्ड प्लास्टिक (एमएलपी) अपशिष्ट की पुनर्चक्रण क्षमता पर एक रिपोर्ट जारी की।

प्लास्टिक पैकेजिंग रिसर्च ऐंड डेवलपमेंट सेंटर (www.pprdc.in) एक गैर-लाभकारी अनुसंधान और विकास केंद्र है, जिसकी स्थापना बहु-स्तरीय **प्लास्टिक्स फिल्म्स सैनिटेशन ट्रस्ट** द्वारा की गई है। पीपीआरडीसी ने हाल में नोएडा में **"सस्टेनेबल पैकेजिंग ऐंड ईपीआर रेगुलेशंस"** (संवहनीय पैकेजिंग और ईपीआर विनियम) पर विषय संबंधी एक-दिवसीय गोलमेज परिचर्चा का आयोजन किया था। परिचर्चा की विषयसूची में एक्सटेंडेड प्रोड्यूसर रिस्पॉन्सिबिलिटी (ईपीआर) यानी उत्पादक का विस्तारित उत्तरदायित्व के नियमों और एक चक्रीय अर्थव्यवस्था के निर्माण की सर्वश्रेष्ठ कार्यपद्धतियों पर पीपीआरडीसी के अधिकारियों द्वारा ब्रीफिंग शामिल थी।

इस अवसर पर **यूफ्लेक्स लिमिटेड के सीएमडी, श्री अशोक चतुर्वेदी** ने **बहु-स्तरीय मिश्रित प्लास्टिक्स की पुनर्चक्रीयता** पर एक स्टडी रिपोर्ट जारी की।

श्री अशोक चतुर्वेदी, सीएमडी, यूफ्लेक्स लिमिटेड ने स्टडी रिपोर्ट के लोकार्पण पर कहा कि, *"यूफ्लेक्स में हम हमेशा ही अपने ग्राहकों के लिए और ब्रांड मालिकों तथा विनियामकों के साथ बहु-स्तरीय मिश्रित*

प्लास्टिक अपशिष्ट की पुनर्चक्रीयता के विषय में चर्चा की आसानी के लिए संवहनीय पैकेजिंग समाधानों के विकास में अग्रणी रहे हैं। पैकेजिंग में ग्लोबल लीडर ने नाते, हमने एमएलपी अपशिष्ट के विविध प्रयोगों को प्रदर्शित करने के लिए अपने ग्लोबल लोकेशंस में पुनर्चक्रण सयंत्रों में काफी निवेश किया है। यूफ्लेक्स अपने नोएडा स्थित फैक्ट्री में एक अत्याधुनिक इंजेक्शन मॉड्युलिंग संयंत्र चला रहा है और इसकी स्थापना दानों (ग्रेन्युल्स) को रीसाइकल करने तथा मॉड्युलिंग उद्योग को विविध संभावनाएं प्रदर्शित करने के लिए की गई थी। आज, यूफ्लेक्स की रीसाइक्लिंग फैसिलिटीज में पुनर्चक्रित दानों से सजावटी, कार्यात्मक, इंजीनियरिंग पार्ट्स, घरेलू और कार्यालय सम्बन्धी उत्पादों, तथा सैकड़ों अन्य वस्तुओं का उत्पादन किया जा रहा है।"

श्री चतुर्वेदी ने यह भी कहा कि, *"इस रिपोर्ट से ब्रांड के मालिकों और पुनर्चक्रण करने वालों को एमएलपी अपशिष्ट के पुनर्चक्रण के विषय में तकनीकी प्रक्रियाओं, संभावनाओं और वित्तीय प्रतिलाभों को समझने में मदद मिलेगी। यह रिपोर्ट ब्रांड के मालिकों को अपने ईपीआर सम्बन्धी उत्तरदायित्वों को पूरा करने और प्लास्टिक के अपशिष्ट को भराव क्षेत्र से बाहर रखने में भूमिका निभाने में मदद करेगी। भारत जैसे देश में इससे विभिन्न एमएसएमई को पुनर्चक्रण संयंत्रों को स्थापित करने और प्लास्टिक अपशिष्ट के मूल्य और शक्ति का लाभ उठाने के लिए प्रेरणा मिल सकती है। यूफ्लेक्स दो दशकों से अधिक समय से सफलतापूर्वक संचालित हो रहे अपने खुद के पुनर्चक्रण परिचालनों की सर्वश्रेष्ठ पद्धतियों को साझा करने के लिए खुले मन से इच्छुक है।"*

गोलमेज परिचर्चा के तहत, पीपीआरडीसी की परामर्शी परिषद् के सदस्यों और उद्योग जगत के वक्ताओं ने सम्बंधित विषयों की व्यापक आयामों की चर्चा की। चर्चा में प्लास्टिक के अपशिष्ट के लापरवाही-भरे निपटान से उत्पन्न पर्यावरणीय समस्याओं, प्लास्टिक अपशिष्ट के प्रबंधन में संगठित व्यावसायिक क्षेत्र की भूमिका, भारत को एक चक्रीय अर्थव्यवस्था बनाने की रूपरेखा, और ईपीआर दिशानिर्देशों का पालन करने में ब्रांड के मालिकों के सामने उत्पन्न चुनौतियों के साथ-साथ अन्य सम्बंधित बिन्दुओं पर भी विचार-विमर्श हुआ।

इस परिचर्चा में उद्योग जगत के उल्लेखनीय वक्ताओं में पीपीआरडीसी एवं बीआईएस के महासचिव तथा आईएसओ प्लास्टिक्स सेक्शनल कमिटी के सदस्य श्री मिहिर बनर्जी, रैवेनशॉ यूनिवर्सिटी के वीसी, प्रोफेसर (डॉ.) एस.के.नायक (पूर्व महानिदेशक, सीआइपीईटी), इंडियन सेंटर फॉर प्लास्टिक इन द एनवायरनमेंट के मानद सचिव और पीपीआरडीसी के परिषद् सदस्य श्री स्वपन के रे, अलायन्स टू एंड प्लास्टिक वेस्ट की मुख्य सलाहकार दक्षिण एशिया सुश्री ईषा सार, ए ए गर्ग ऐंड कंपनी के मालिक और परामर्शदाता-ईपीआर श्री ए.गर्ग, केपीएस परामर्शदाता और इम्पेक्स प्राइवेट लिमिटेड तथा पीपीआरडीसी के परिषद् सदस्य डॉ. अनोमित्रा चक्रवर्ती, आईआईटी दिल्ली में मटेरियल साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर एमेरिटस तथा पीपीआरडीसी के परिषद् सदस्य डॉ. अनूप के. घोष, टीटीआरसी बीआइएस के निदेशक एवं आईएसओ-प्लास्टिक्स सेक्शनल कमिटी के सदस्य तथा पीपीआरडीसी के परिषद् सदस्य श्री राजीव द्विवेदी, इंडियन ऑयल कारपोरेशन लिमिटेड के मुख्य महाप्रबंधक (पेट्रोकेमिकल्स) श्री सुमित बासु एवं अन्य शामिल थे।

यूफ्लेक्स के विषय में:

यूफ्लेक्स भारत की सबसे बड़ी बहुराष्ट्रीय फ्लेक्सिबल पैकेजिंग एवं सॉल्यूशंस कंपनी है। 1985 में अपनी शुरूआत के बाद से यूफ्लेक्स ने खुद को मजबूत बनाते हुए तरक्की की है और पैकेजिंग की महत्व श्रृंखला के सभी प्रभागों में मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई है, जैसे कि पैकेजिंग फिल्म्स, केमिकल्स, एसेप्टिक लिक्विड पैकेजिंग, होलोग्राफी, फ्लेक्सिबल पैकेजिंग, प्रिंटिंग सिलेंडर्स और इंजीनियरिंग।

दुनियाभर में अभिनव, मूल्य-वर्द्धित और अनुकूल पैकेजिंग सॉल्यूशंस विकसित करने वाले 10,000 से ज्यादा बहु-सांस्कृतिक कार्यबल के साथ कंपनी ने भारत और विदेशों में 'पैकेजिंग उद्योग' की रूपरेखा को परिभाषित करने की असीम प्रतिष्ठा पाई है। कंपनी विभिन्न सेक्टरों, जैसे कि एफएमसीजी, कंज्यूमर प्रोडक्ट गुड्स, फार्मास्युटिकल्स, बिल्डिंग मटेरियल्स, ऑटोमोबाइल्स, आदि में कई फॉर्च्यून 500 ग्राहकों को संपूर्ण समाधान प्रदान करती है, वह भी 150 से ज्यादा देशों में। भारत के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र नॉएडा में यूफ्लेक्स का मुख्यालय है और भारत, यूएई, मेक्सिको, इजिप्ट, यूएसए, पोलैण्ड, रशिया, नाइजीरिया तथा हंगरी में अत्याधुनिक फैक्ट्रियों के साथ इसकी वैश्विक पहुँच भी है।

यूफ्लेक्स को उत्पाद उत्कृष्टता, नवाचार और अनुकूलता के लिये बड़े-बड़े वैश्विक पुरस्कार मिले हैं और यह दुनिया की पहली कंपनी है, जिसे प्लास्टिक के मिश्रित कचरे के पुन:चक्रण की परिकल्पना के लिये 1995 में दावोस रिसाइकल फोरम में पहचान मिली थी। ज्यादा जानकारी के लिये, कृपया विजिट करें: www.uflexltd.com